E -100 Marks
Batch – 2020-21 / 2021-22/2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२३

सत्र – २

विषय : विशेष साहित्यकार – प्रेमचंद (भाग – २) (HC - 202)

दि.: २४/०५/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'सेवासदन' उपन्यास के कथानक को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।

प्र. २ 'सेवासदन' उपन्यास के पुरुष पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ 'सेवासदन' उपन्यास में चित्रित नारी पात्रों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ४ 'रंगभूमि' उपन्यास की कथावस्तु पर सक्षेप में प्रकाश डालते हुए, सूरदास के चरित्र को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ५ 'निर्मला' उपन्यास में चित्रित निर्मला का जीवन ही शोकांतिका है – पठित 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर विशद कीजिए ।

प्र. ६ 'निर्मला' उपन्यास के पात्रों का परिचय दीजिए ।

प्र. ७ 'निर्मला' उपन्यास में अभिव्यक्त विविध समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ 'रंगभूमि' उपन्यास औद्योगिकरण, भूमिहीन तथा वर्ग–संघर्ष की विस्तृत कथा है – स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में किन्ही दो का संदर्भ लिखिए ।**

१. मेरा विश्वास है कि मेरी भक्ति अगर हो सकती है तो मेरे कर्मोंसे होगी ।
२. आज नहीं तो एक दिन जान जाओगे कि अंधा निरपराध था ।
३. जनाब, हमारी कौम की कुछ न कहिए, खुदगरज, खुदफरोश, खुदमतलब ....।
४. हमारा कर्तव्य यह है कि इन कन्याओं को चतुर गृहिणी बनने के योग्य बना दूँ ।

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१. सेवासदन उपन्यास : समस्याएँ
२. विनयसिंह
३. मन्साराम
४. सुमन ।